

This question paper contains 2 printed pages.

December, 2024

Roll No. :
Unique Paper Code : 121301301
Title of the Paper : Linguistic Analysis of Sanskrit, Translation, Essay
and Laghusiddhāntakaumudī
Name of the Course : M.A., Sanskrit (LOCF), Examination, Dec 2024
Semester : III
Duration : 3 Hours
Maximum Marks : 70

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper
(इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit or in Hindi or in English but the same medium should be used throughout the paper.
टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. भाषाविज्ञान के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसके मुख्य अंगों की विवेचना कीजिए। 07
Describing the nature of linguistics, discuss its main parts.
अथवा/OR
भाषाओं के पारिवारिक वर्गीकरण का वर्णन कीजिए।
Describe the Genealogical classification of languages.
2. अर्थपरिवर्तन की दिशाओं का वर्णन कीजिए। 07
Describe the directions of change in Meaning.
अथवा/OR
प्राकृत भाषा की विशेषताएं बताइए।
Explain the characteristics of Prakrit language.
3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए। 5x2=10
Write notes on any **two** of the following.
भारोपीय भाषा परिवार, ग्रिम नियम, अवेस्ता, ध्वनि परिवर्तन के कारण
4. अधोलिखित प्रत्येक खण्ड में से किसी दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए- 4x4=16
Explain any **two** sutras with example from each section of the of the following-
i. नाव्ययीभावादतोऽम्त्वपञ्चम्याः, चतुर्थी तदर्थार्थबलिहितसुखरक्षितैः, विशेषणं विशेष्येण बहुलम्, सप्तमीविशेषणे बहुव्रीहौ
ii. तयोरेव कृत्यक्तखलर्थाः, नन्दिग्रहिपचादिभ्यो ल्युणिन्यचः, तेन तुल्यं क्रिया चेद्वृत्तिः, अस्मायामेधास्रजो विनिः

5. अधोलिखित प्रत्येक खण्ड में से किसी दो-दो पदों की सिद्धि प्रक्रिया सूत्रोल्लेखपूर्वक प्रस्तुत कीजिए। 4x4=16

Present the derivational process with sutras of any **two** words from each section of the following-

- i. अधिहरि, शङ्कुलाखण्डः, गोहितम्, कण्ठेकालः
- ii. देयम्, शिष्यः, स्त्रैणम्, चूडालः

6. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संस्कृत भाषा में निबन्ध लिखिए। 08

Write an essay on any one topic of the following in **Sanskrit language**.

भारतीयज्ञानपरम्परा, राष्ट्रियशिक्षानीतिः, भारतीया-संस्कृतिः, चतुष्ष्टिकलामाध्यमेन कौशलविकासः

7. निम्नलिखित गद्यांशो का संस्कृतभाषा में अनुवाद कीजिए। 06

Translate the following paragraph into **Sanskrit language**.

मनुष्य में विनय, उदारता, सहिष्णुता, साहस आदि चारित्रिक गुणों का विकास अत्यावश्यक है। ये गुण व्यक्ति के जीवन को अहंकारहीन तथा सादा-सरल बनाते हैं। जीवन में सादगी लाने के लिए दो बातें विशेष रूप से करणीय हैं-प्रथम कठिन से कठिन परिस्थितियों में धैर्य को न छोड़ना, द्वितीय अपनी आवश्यकताओं को न्यूनतम बनाना। सादगी का विचारों से भी घनिष्ठ सम्बन्ध है। हमें सादा जीवन व्यतीत करना चाहिए और अपने विचारों को उच्च बनाए रखना चाहिए।

It is essential to develop character traits like humility, generosity, tolerance, courage, etc., in a person. These qualities make a person's life egoless and simple. To bring simplicity to life, two things should be done in particular - first, do not lose patience in the most difficult situations; second, keep your needs to the minimum. Simplicity is also closely related to thoughts. We should lead a simple life and keep our thoughts high.

अथवा/OR

मनुष्य और मनुष्य के बीच, वस्तुओं के विषय में अपनी इच्छा और मति का आदान-प्रदान करने के लिए व्यक्त ध्वनि संकेतों का जो व्यवहार होता है, उसे भाषा कहते हैं। भाषा विचारों को व्यक्त करती है, पर विचारों से अधिक उसके वक्ता के भाव, इच्छा, प्रश्न आदि मनोभावों से रहता है। भाषा सदा किसी न किसी वस्तु के विषय में कुछ कहती है, वह वस्तु चाहे बाह्य भौतिक जगत् की हो अथवा सर्वथा आध्यात्मिक और मानसिक।

The use of sound signals between man and man to exchange their wishes and thoughts about things is called language. Language expresses thoughts, but more than thoughts, it has to do with the speaker's feelings, wishes, questions, etc. Language always says something about some object, whether that object is of the external physical world or completely spiritual and mental.